

मयवा सर्वेतेन: zieht (in reisigem Zuge) RV. 5,30,3. अर्पश्यं ग्रामं वक्ता-  
नमरात् 10,27,19. न नाभिङ्गे क्षरयो वदन्ति laufen, rollen Spr. 2420.  
विपति वक्तो नन्त्राणाम् dahin ziehen PRAB. 34,13. dem Wasser ent-  
lang hinfahren, schwimmen: वक्तो देहेन वक्तेन च KATHAS. 26,21. गङ्गा  
गच्छत तत्रात्तर्वक्ती यो च पश्यथ । मञ्जुषाम् 13,40. प्रवाहे वदद्यात्  
सौवर्णं पद्मपद्मकम् 40,84,59,4. — 3) pass. dass.: उच्चाते जनां अनु सोमपेयं  
सुखो रयः RV. 1,120,11. वक्तुं रुक्षमानः AV. 14,2,9. वासिभिरुक्षमानाः  
MBH. 3,15672. उच्चातो वासिभिर्दुतम् 1,5337. उक्षमान इव वाक्नोचितः  
पादचारमपि न व्यभावपत् RAGH. 11,10. युगैः तित्तिभुजो योगैरुक्षमानाः  
(so ist zu lesen) RĀGA-TAR. 3,33. रथमुक्षतं दिव्यतुरगे: HARIV. 6198. स  
रथो ध्रास्तं ऽत्यर्थमुक्षमानो रणो तदा । उक्षमानमिवाकाशे विवानं पाण्डुरै-  
रुक्षैः (so die ed. Bomb.) MBH. 7,757. उक्षमान इवाकाशे कालमेधेन चन्द्र-  
मा: HARIV. 3757. याति विपत्युक्षमानेव (उत्का) VARĀH. BRH. S. 33,7,24.  
तेन प्लवेन स यपावुक्षमानो महीतले zu Schiffe fahrend MĀRK. P. 74,12.  
स्नातसोक्षमानस्य (so ist zu lesen) vom Strome getrieben werdend VIKR.  
24. मञ्जुषागतो गर्भस्तरगैरुक्षमानकः MBH. 3,17151. वेदशास्त्राणि धोर  
उक्षमाना इतस्ततः Verz. d. Oxf. H. 91,a,2. गुणोधैरुक्षमानः MAITRAJUP. 3,  
2,6,30. — 4) fließen, mit sich führen (von Flüssen): मक्षिमानं वक्ष्ती:  
परि यत्ति RV. 2,33,9,9,83,1. प्रतीयं शायं नद्यो वदन्ति 10,28,4. तिर-  
श्चीरयो वक्ष्ति. AIT. BU. 4,25. वक्ष्ती: (sc. घ्राप:;) fließendes Wasser  
TS. 7,4,14,1,6,4,2,3. KĀTH. 22,13. KAUC. 32. उदकमवक्तुं stehendes  
Wasser ĀCV. GRH. 4,4,10. प्रत्यगुक्ष्मर्क्षानद्यः प्राञ्जुषा: सिन्धुसप्तमाः  
MBH. 5,2998. 16,3. HARIV. 8287. 8297. तीरोदा: — वक्ष्ति यत्र वै नद्यः  
MBH. 13,3790. R. 4,41,55. परोपकाराय वक्ष्ति नद्यः Spr. 1734. 3921.  
KATHAS. 39,37. Verz. d. Oxf. H. 120,a,16. BĀĪG. P. 7,4,17. MĀRK. P.  
99,6. वक्ष्ति निकटे कालस्नातः Spr. 1158. कन्देन चोदकं तस्य वक्ष्त्याव-  
र्जितं दुतम् zufließen MBH. 3,2936. नद्यश्च सरितो वारि वक्ष्त्यो ब्रह्मसं-  
भवम् 14,783. उक्ष्: सर्वरसान्नद्यः BĀĪG. P. 4,19,8. तोयं वक्ष्ति सिरा प-  
श्चिमा VARĀH. BRH. S. 34,6,19. 21. 36. 39. 66. 71. 73. स्नैयं मुक्ष्द्रक्तुः  
liessen einen Thränenstrom fließen BĀĪG. P. 4,9,48. (शिरः) ववाक् (!)  
रक्तम् MĀRK. P. 88,45. — 5) wehen (dahinfahren vom Winde): मन्दे व-  
क्ष्ति मारुतः R. 3,78,13. Spr. 3:37. Gīt. 3,2. SĀH. D. 19,18. — 6) heim-  
führen, heirathen; med.: जनने: RV. 1,167,7. 5,37,3. प ईं वक्ष्ति य ईं  
वा वर्यात् 10,27,11. MBH. 1,3377. 3384. act.: उमे ते एकमुत्केन वक्ष्त्  
M. 8,204. 9,94. R. 1,73,36. KATHAS. 43,357. 58,86. 84,65. BĀĪG. P. 3,  
3,4. 4,1,6. 6,6,31. 9,2,18. 24,22. वोढम् 4,8,18. MBH. 13,5090. act.  
vom Weibe: ज्ञाया पतिं वक्ष्ति यमुनां सुमत् RV. 10,32,3. ऊढा geheir-  
rathet, verheirathet (GATTIN H. 513) AK. 2,6,2,23. MBH. 5,7459. R.  
GORR. 2,34,8. 53,16. KUMĀRAS. 3,70. KATHAS. 36,54. अनूढा R. 2,63,13.  
so v. a. Concubine SĀH. D. 81. उढपूर्वा ÇĀK. 79,15. 110,17. दैवोढा, स्रा-  
योढा M. 3,38. कायोढा ebend. aus metrischen Rücksichten statt कायो-  
ढा. अनूढ unverheirathet (vom Manne) AK. 2,7,55. H. 826. ऊढात्प्रभृति  
seit der Verheirathung (eines Weibes) MBH. 3,2961. Die Form वोढ (vgl.  
सोढा) in der Stelle: इदं भार्यशतम् — पुत्रार्थिना मया वोढम् चोढम्? MBH. 3,  
10482. — 7) mit sich —, bei sich führen: न स पथ्योदं वक्ष्त् Spr. 4816.  
यो किं क्त्वा द्विजश्रेष्ठं गजकतो वक्ष्त् 2873. — 8) zuführen: गुहासमी-  
रणो गन्धान्नानापुष्पभवावक्ष्न् R. 2,94,14. दिव्यगन्धवक्ष्द्वात KATHAS.  
50,190. 53,34. निदाघकाले प्रालेयं प्रायः शैत्यं वक्ष्त्तलम् Spr. 1293. र-